CORONAVIRUS UPDATE

आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

● वर्ष- 15 अंक-111 कटनी ● सोमवार, 24 मई, 2021 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● वैशाख शुक्ल पक्ष -13 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

आज बड़े चक्रवाती तूफान की चेतावनी

देश में एक और चक्रवाती तूफान का खतरा मंडरा रहा है। बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र अब खतरनाक तूफान में बदल गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, यह सोमवार को खतरनाक रूप धारण कर सकता है। यह बहुत गंभीर चक्रवात के रूप में 26 मई को बंगाल और ओडिशा तटों को पार करेगा। दबाव वाले क्षेत्र के उत्तर-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने और इसके अगले 24 घंटों के दौरान बहुत गंभीर चक्रवात में बदलने की संभावना है।

3 लाख लोगों को अब तक छीन चुका कोरोना

जाते-जाते असर दिखा रही दूसरी लहर

नई दिल्ली। भारत में कोरोना की दूसरी लहर लगातार कमजोर पड़ रही है। रोज के केस कम पड़ रहे हैं, वहीं अब मृतकों की संख्या भी घटने लगी है। हालांकि अब भारत में इस महामारी से मरने वालों का आंकड़ा 3 लाख पार (3,03,720) हो गया है। इस तरह भारत दुनिया का तीसरा देश बन गया है जहां मृतकों का आंकड़ा 3 लाख से अधिक है। अन्य दो देश हैं अमेरिका और ब्राजील। हालांकि दोनों देशों की तुलना में भारत की स्थिति बेहतर है। भारत के अलावा तीन लाख से ज्यादा मौतें अमेरिका (6.03 लाख) और ब्राजील (4.48 लाख) में ही हुई हैं। भारत में पहली मौत से तीन लाख तक का आंकड़ा पहुंचने में 14 महीने का वक्त लगा, जबकि अमेरिका में नौ महीने नौ दिन और ब्राजील में 12 महीने में ही मौत का आंकड़ा एक से तीन लाख पहुंच गया था। देश में पिछले साल 12 मार्च को कोरोना के चलते पहली मौत हुई थी, जब कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में 76 साल के एक व्यक्ति की जान चली गई थी। इस बीच,

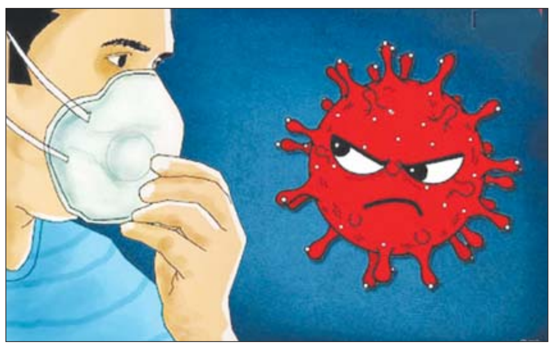

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सोमवार सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक, बीते 24 घंटों में 2,22,315 कोरोना मरीज सामने आए हैं। 36 दिन बाद पहली बार एक दिन में ढाई लाख से कम नए मामले मिले हैं। इस दौरान 3,02,544 मरीज स्वस्थ्य हुए हैं और 4,454 की मौत हुई है। इस तरह देश में अब तकत कोरोना महामारी के 2,67,52,447 केस सामने आ चुके हैं। इनमें से 2,37,28,011 ठीक हो चुके हैं। अभी देश में 27,20,716 एक्टिव केस हैं।

फिर चार हजार से ज्यादा मौतें

इससे पहले रविवार को फिर चार हजार से ज्यादा (4,452) मौतें हुई हैं और कुल मृतकों की संख्या 3,03,751 हो गई है। शनिवार को 3,739 लोगों की जान गई थी। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 1,320 लोगों की मौत हुई है। कर्नाटक में 624 और तमिलनाडु में 422 मरीजों की मौत हुई है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में 231, पंजाब में 192, दिल्ली में 189, केरल में 188, बंगाल में 156, राजस्थान में 113, बिहार में 107 एवं आंध्र प्रदेश में 104 और हुई हैं।

क्विक अपडेट

शाजापुर की एडीएम मंजूषा विक्रांत द्वारा युवक को थप्पड़ मारने का वीडियो वायरल

शाजापुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर कलेक्टर द्वारा एक युवक को थप्पड़ मारने का वीडियो वायरल होने के बाद अब शाजापुर की एडीएम मंजूषा विक्रांत द्वारा युवक को थप्पड़ मारने का वीडियो वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक एडीएम जनता कर्फ्यू के दौरान क्षेत्र में निकली थीं, इस दौरान जूते की एक दुकान खुली मिली तो वहां रुककर जांच की और अंदर मौजूद युवक को बाहर निकाला। इस दौरान एडीएम मंजूषा विक्रांत भड़क गईं और उसे थप्पड़ मार दिया। गौरतलब है छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में कलेक्टर द्वारा युवक को थप्पड़ मारने की घटना की आइएएस एसोसिएशन ने भी कड़ी निंदा की थी।में आया है। यहां से भी नुकसान की कोई खबर नहीं है।

इतना शौक है तो डेथ सर्टिफिकेट में भी लगवा लो अपनी तस्वीर

पटना। टीकाकरण के प्रमाण पत्र पर पीएम मोदी की तस्वीर को लेकर सहयोगी दल लगातार सरकार पर निशाना साध रहे हैं। हम पार्टी के प्रमुख जीतन राम मांझी ने वैक्सीन के प्रमाण पत्र पर फोटो को लेकर एनडीए को आड़े हाथों लिया। उन्होंने तीखी टिप्पणी भी की। जीतन राम मांझी ने इस मामले में ट्वीट किया। उन्होंने लिखा, वैक्सीन के सर्टिफिकेट पर यदि तस्वीर लगाने का इतना ही शौक है तो कोरोना से हो रही मृत्यु के डेथ सर्टिफिकेट पर भी तस्वीर लगाई जाए। यही न्याय संगत होगा। टीकाकरण के प्रमाण पत्र पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर होने पर आपत्ति जताई।

6 सौ से ज्यादा बच्चे बीमार

राजस्थान के दो जिले दौसा और डूंगरपुर से आई चिंता जनक खबर

जयपुर। कोरोना की दूसरी लहर से पूरे देश में त्राहि-त्राहि मची हुई है। इस बीच महामारी की तीसरी लहर भी जल्द आने की आशंका जताई जा रही है। कहा जा रहा है कि इस लहर का सबसे ज्यादा असर बच्चों पर पड़ेगा। उधर, राजस्थान के दो जिलों में 600 से ज्यादा बच्चे बीमार हो गए हैं। इसके चलते राज्य में कोरोना की तीसरी लहर की दस्तक देने की अटकलें लगाई जा रही हैं।

बच्चों में कोरोना जैसे लक्षण

जानकारी के मुताबिक, राजस्थान के दौसा और डूंगरपुर जिले में 600 से ज्यादा बच्चे बीमार हैं। उनमें कोरोना जैसे लक्षण नजर आए हैं। यह जानकारी मिलते ही राजस्थान में हाहाकार मच गया। अनुमान लगाया जा रहा है कि राज्य में कोरोना की तीसरी लहर ने दस्तक दे दी है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग की टीम अलर्ट हो गई है।

पिता के निधन के बाद दो बच्चियां संक्रमित

बताया जा रहा है कि दौसा में सिकराय उपखंड के एक गांव की दो बच्चियां कोरोना जैसे लक्षणों से संक्रमित हैं। इन बच्चियों के पिता का निधन कोरोना संक्रमण के चलते हुआ था। माना जा रहा है कि पिता के बाद ये दोनों बच्चियां महामारी की चपेट में आ गईं। वहीं, दौसा में दो साल का एक बच्चा भी कोरोना संक्रमित मिला है।

ऐसा है दौसा-डूंगरपुर का हाल

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, सिर्फ दौसा में एक मई से 21 मई के तक 18 साल से कम उम्र के 341 बच्चे कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। उधर, डूंगरपुर में भी बच्चों के कोरोना संक्रमित होने के मामले काफी तेजी से बढ़े हैं। डूंगरपुर में 12 मई से 22 मई तक 255 बच्चे संक्रमित हो चुके हैं।

अभिभावकों की वजह से चपेट में आ रहे बच्चे

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बच्चे अपने माता-पिता की वजह से संक्रमण की चपेट में आ रहे हैं। अभी तक ऐसे तमाम मामले सामने आए हैं, जिनमें वही बच्चे संक्रमित हुए, जिनके अभिभावक महामारी की चपेट में आ चुके थे। हालांकि, एक अन्य अधिकारी का कहना है कि पिछले 10 दिन में 250 से ज्यादा बच्चे संक्रमित हो चुके हैं। कोरोना ऐसी बीमारी है, जिसमें कब किसे क्या हो जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता।

चीन से ही निकला वायरस

दुनिया में कोरोना फैलने से पहले वुहान लैब के शोधकर्ता हुए थे बीमार

नई दिल्ली। कोरोना महामारी ने पिछले करीब डेढ़ साल से दुनिया भर में तबाही मचा रखी है। इस वायरस ने करोड़ों लोगों को अपना शिकार बनाया और लाखों जिंदगियां निगल लीं। इस खतरनाक वायरस की शुरुआत को लेकर अभी भी विवाद है। दुनिया इस कोरोना वायरस के लिए चीन को जिम्मेदार मान रही है, जबकि चीन इससे पल्ला झाड़ता रहा है। इस बीच, एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि वुहान की जिस लैब में कोरोना वायरस की शुरुआत बताई जाती है, वहां के तीन कर्मचारी को तब अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जब दुनिया को कोरोना के बारे में पता नहीं था। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि दुनिया में कोरोना वायरस फैलने से पहले चीन में वुहान की लैब के शोधकर्ता संक्रमित हुए थे। इस रिपोर्ट के मुताबिक, वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलोजी के तीन शोधकर्ता नवंबर, 2019 में बीमार हुए थे और उन्होंने अस्पताल में इलाज के लिए मदद भी मांगी थी। इन शोधकर्ताओं में कोरोना संक्रमण के लक्षण थे। बता दें कि नवंबर 2019 के बाद ही दिसंबर-जनवरी के बीच दुनिया को कोरोना वायरस महामारी के बारे में पता लगा था।

कोरोना केस घटे तो बढ़े ब्लैक फंगस के मरीज

नई दिल्ली। भारत में कोरोना की दूसरी लहर लगातार कमजोर पड़ रही है। रोज के केस कम पड़ रहे हैं, वहीं अब मृतकों की संख्या भी घटने लगी है। वहीं काली फफूंद यानी ब्लैक फंगस के मरीज तेजी बढ़ रहे हैं। भारत में अब तक ब्लैक फंगस (म्यूकोर्मिकोसिस) के 5,424 मामले दर्ज किए गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा, अब तक 18 राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों में म्यूकोर्मिकोसिस के 5,424 मामले सामने आए हैं। 5,424 मामलों में से 4,556 रोगियों में कोविड 19 संक्रमण का इतिहास है। 55 प्रतिशत रोगियों को मधुमेह था। कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बीच ब्लैक फंगस संक्रमण यानी म्यूकोरमाइकोसिस बीमारी का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। देश के कई राज्यों में इसके मामले सामने आए हैं, जो सरकार के साथ-साथ लोगों के लिए भी एक चिंता का विषय बन गया है। कई राज्यों ने तो इसे कोरोना की तरह की महामारी भी घोषित कर दिया है। हाल ही में नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) वी.के. पॉल ने यह माना था कि कोविड के उपचार के लिए स्टेरॉयड के उपयोग से ब्लैक फंगस के फैलने के खतरे से इनकार नहीं किया जा सकता है। अब इसको लेकर एक अध्ययन किया गया है, जिसमें कई महत्वपूर्ण दावे किए गए हैं।

ब्लैक फंगस को लेकर 210 मरीजों पर अध्ययन किया गया है। अध्ययन के मुताबिक, इन सभी मरीजों को एंटीबायोटिक्स दिया गया था और दावा किया गया है कि एंटीबायोटिक्स लेने के बाद मरीज ब्लैक फंगस का शिकार हुए।

मध्यप्रदेश में इस सप्ताह तैयार होगी गाइडलाइन

कोचिंग, मॉल, सिनेमाघर अभी नहीं खुलेंगे

भोपाल। प्रदेश में एक जून से कोरोना कर्फ्यू को हटाने की तैयारी सरकार ने शुरू कर दी है। अनलॉक चरणबद्ध तरीके से होगा। पहले चरण में अभी न तो कोचिंग संस्थान खुलेंगे और न ही शॉपिंग मॉल, सिनेमाघर, रेस्टोरेंट सहित वह स्थान जहां पर भीड़ एकत्र होने की आशंका सर्वाधिक रहती है। शादी समारोह की अनुमति स्थानीय प्रशासन दे सकेगा पर संख्या सीमित ही रहेगी। अनलॉक के दिशा-निर्देश तैयार करने को लेकर बैठकों का सिलसिला शुरू हो गया है। आगामी तीन-चार दिन में मसौदा तैयार कर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सामने रखा जाएगा। बताया जा रहा है कि जिन इलाकों में संक्रमण अधिक होगा, वहां माइक्रो कंटेनमेंट जोन बनाकर संक्रमण की कड़ी को तोड़ने का काम किया जाएगा। मुख्यमंत्री के एक जून से धीरे-धीरे कोरोना कर्फ्यू हटाने के संकेत देने के बाद गृह विभाग ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। सभी कलेक्टरों से कहा है कि वे स्थानीय परिस्थितियों के हिसाब से कार्ययोजना बनाकर दें कि किस तरह अनलॉक करेंगे। बताया जा रहा है कि विभाग ने जिलों को बता दिया है कि पहले चरण में उन स्थानों को खोलने की अनुमति नहीं दी जाएगी, जहां लोगों की आवाजाही अधिक रहती है। कोचिंग संस्थान हों या फिर मॉल या फिर सिनेमाघर, ये फिलहाल नहीं खुलेंगे। इन्हें धीरे-धीरे अनुमति मिलेगी। बार भी फिलहाल बंद ही रहेंगे।

शादी-विवाह की अनुमति स्थानीय स्तर पर प्रशासन परिस्थितियों को देखते हुए लेगा पर संख्या सीमित ही रहेगी। किराना दुकान, जनरल स्टोर सहित वे सभी दुकानें सावधानियों के साथ खुल सकेंगी, जिनमें रोजमर्रा की जरूरत का सामान मिलता है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश की जनता ने अब तक धैर्य का परिचय दिया है और महामारी की गंभीरता को समझ चुकी है इसलिए अनलॉक किया जा सकता है। निजी संस्थाओं के कार्यालय कोरोना के प्रोटोकॉल का पालन करते हुए खुल सकेंगे। प्रदेश और जिला स्तरीय कार्यालयों का संचालन पहले 25 फीसद तक कर्मचारियों के साथ किया जाएगा। जैसे-जैसे स्थिति सामान्य होती जाएगी, वैसे-वैसे संख्या बढ़ाई जाएगी। परिवहन विभाग ने छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच बस परिवहन सेवा पर प्रतिबंध 31 मई तक बढ़ा दिया है। परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि कोरोना संक्रमण की स्थिति को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। इसके आगे भी निर्णय सभी परिस्थितियों को देखते हुए लिया जाएगा।

कांग्रेस मौत का उत्सव मना रही-शिवराज

भोपाल। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने आज फिर पूर्व सीएम कमलनाथ के बयानों को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस मौत पर उत्सव मना रही है और सोनिया गांधी धृतराष्ट्र बनीं हुई हैं। जब मिलकर साथ लड़ने का मौका था आप मौत का उत्सव मना रहे हो। उन्होंने कहा कि आप काउंटर लगवा रहे हो और प्रदेश में अराजकता फैला रहे हो यह महामारी का समय है युद्ध का समय है और युद्ध के समय जनता का साथ देने की जगह सरकार के साथ खड़े होने की जगह कैसे भी अराजकता का तांडव हो जाए इस प्रयास में आप और आपकी पार्टी लगी हैं। सीएम शिवराज ने कहा कि मैं मैडम सोनिया गांधी से पूछना चाहता हूं कि कमल नाथ के आग लगाने वाले ब्यान से क्या वह सहमत हैं?

इधर पूर्व सीएम रमन सिंह के घर पहुंची पुलिस

उधर टूल किट विवाद में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा.रमन सिंह से पूछताछ करने पुलिस उनके आवास पर पहुंच चुकी है। सिविल लाइन थाना पुलिस सीएसपी नसर सिद्दीकी के नेतृत्व में दोपहर करीब साढ़े 12 बजे पहुंची। बता दें कि डाक्टर रमन सिंह के साथ भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा खिलाफ राजधानी रायपुर के सिविल लाइन पुलिस थाने में पिछले दिनों टूलकिट मामले में एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने पूर्व सीएम को नोटिस जारी कर 24 मई को दोपहर 12.30 बजे निवास स्थान पर उपस्थित रहने को कहा था।

कौन होगा अगला सीबीआई प्रमुख, आज बैठक के बाद होगा तय

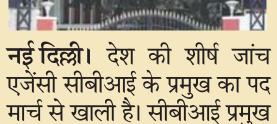

नई दिल्ली। देश की शीर्ष जांच एजेंसी सीबीआई के प्रमुख का पद मार्च से खाली है। सीबीआई प्रमुख ऋषि कुमार शुक्ल के सेवानिवृत्त होने के बाद से ही केंद्रीय एजेंसी को अपने नए प्रमुख की तलाश है। सीबीआई का नया प्रमुख चुनने के लिए आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक होनी है। इस बैठक में सीबीआई के अगले प्रमुख के नाम पर मुहर लग सकती है।

हर कोरोना मृतक के परिवार को 4 लाख की आर्थिक मदद वाली याचिका पर केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली । कोरोसुप्रीम कोर्ट ने कोरोना वायरस से मरने वालों के परिवारों को चार-चार लाख रुपये मुआवजा देने की मांग वाली याचिका पर सोमवार को केंद्र से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति एम आर शाह की अवकाशकालीन पीठ ने केंद्र से यह भी कहा कि वह कोविड-19 पीड़ितों के लिए मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध में आईसीएमआर के दिशा-निर्देशों को कोर्ट के समक्ष रखे। साथ ही कहा कि ऐसे दस्तावेज जारी करने के लिए एक समान नीति होनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने सोमवार दो अलग-अलग याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की, जिसमें केंद्र और राज्यों को निर्देश देने की मांग की गई थी कि वे कोरोनो वायरस पीड़ितों के परिवारों को 4 लाख रुपये का मुआवजा प्रदान करें, जैसा कि आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत प्रावधान है, और मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के लिए एक समान नीति है। पीठ ने कहा कि जब तक कोई आधिकारिक दस्तावेज या मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के लिए एक समान नीति नहीं होगी, कोरोना पीड़ितों तक यह आर्थिक मदद पहुंचाना मुश्किल होगा। मृत्यु प्रमाण पत्र में यह स्पष्ट उल्लेख जरूरी ह कि मृत्यु का कारण कोरोना संक्रमण था। कोर्ट के मुताबिक, ऐसा सर्टिफिकेट जारी करने के बाद ही पीड़ितों के परिजन किसी भी मुआवजा योजना के लाभ (यदि दिया जाता है तो) का दावा कर पाएंगे। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 11 जून की तारीख तय करते हुए केंद्र से तब तक अपना जवाब दाखिल करने को कहा है।

पड़ताल

क्या ब्लैक फंगस को औद्योगिक ऑक्सीजन से जोड़ा जा सकता है ?

नई दिल्ली। क्या ब्लैक फंगस को औद्योगिक ऑक्सीजन से जोड़ा जा सकता है? क्या औद्योगिक ऑक्सीजन से तो ब्लैक फंगस नहीं फैला। यह सवाल उठ रहे हैं। हालांकि औद्योगिक ऑक्सीजन 99.67 प्रतिशत पर मेडिकल ऑक्सीजन से अधिक शुद्ध है पर औद्योगिक सिलेंडरों की स्थिति मेडिकल ऑक्सीजन सिलेंडर जितनी अच्छी नहीं है। पूर्व का इलाज मोटे तौर पर और उचित स्वच्छता के बिना किया जाता है। साथ ही, वे कई सूक्ष्म रिसावों से ग्रस्त हैं। ब्लैक फंगस एक पोस्ट-कोविड जटिलता बन गया है जिसने भारत में कोविड -19 महामारी की दूसरी लहर में दुर्लभ बीमारी के बढने् के कारण चिकित्साबिरादरी को चौंका दिया है। जबकि वे स्पष्ट हैं कि स्टेरॉयड की खुराक, अनियंत्रित शर्करा का स्तर और कम प्रतिरक्षा प्रकोप के पीछे हैं, वे एक नए कारक पर भी विचार कर रहे हैं जो इस बार इस दुर्लभ बीमारी को सामान्य बना सकता है, अस्पतालों में ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा रही गुणवत्ता।

विशेषज्ञ औद्योगिक ऑक्सीजन की भूमिका को चिह्नित करते हैं।

हाल ही में चिकित्सा ऑक्सीजन की कमी के कारण औद्योगिक ऑक्सीजन कोअस्पतालों की ओर मोड़ा गया, लेकिन इसके स्वच्छ परिवहन पर सवाल खड़े हो गएकोविड से प्रेरित म्यूकोर्मिकोसिस सभी राज्यों में तेजी से फैल रहा है, वशेषज्ञों ने सरकार से संक्रमण में औद्योगिक ऑक्सीजन की संभावित भूमिका निर्धारित करने के लिए कहा है। एम्स, नई दिल्ली के रुमेटोलॉजी प्रमुख डॉ उमा कुमार ने कहा कि डॉक्टर रुमेटोलॉजी के रोगियों में नियमित रूप से स्टेरॉयड का उपयोग कर रहे थे लेकिन उन्होंने म्यूकोर्मिकोसिस के इतने उच्च मामले कभी नहीं देखे थे। क्या यह कोविड म्यूकोर्मिकोसिस को आमंत्रित करने के लिए प्रतिरक्षा के साथ खेल रहा है या यह औद्योगिक ऑक्सीजन के उपयोग के कारण है? कुमार ने आईसीएमआर से इस मुद्दे पर गौर करने का आग्रह करते हुए कहा। विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड रोगियों को ऑक्सीजन की अस्वच्छ डिलीवरी काले कवक संक्रमण का एक संभावित कारण हो सकता है। हाल ही में मेडिकलऑक्सीजन की कमी के कारण औद्योगिक ऑक्सीजन को अस्पतालों की ओर मोडना् पड़ा, लेकिन इसके स्वच्छ परिवहन पर सवाल खड़े हो गए। सरकारी विशेषज्ञों ने ब्लैक फंगस महामारी के लिए कोविड, मधुमेह और प्रतिरक्षा को दबाने वाले तर्कहीन स्टेरॉयड के संयोजन को जिम्मेदार ठहराया है। एक अन्य विशेषज्ञ रमाकांत पांडा ने दावा किया कि मरीजों को ऑक्सीजन की खराब डिलीवरी इसका मूल कारण है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक ऑक्सीजन के विपरीत मेडिकल ऑक्सीजन अत्यधिक शुद्ध होती है। यह संपीडन्, निस्पंदन और शुद्धिकरण जैसी कई प्रक्रियाओं से गुजरता है। यहां तक कि इसके सिलेंडर कीटाणुशोधन और सफाई प्रक्रियाओं से गुजरते हैं* च्उन्होंने कहा, ब्लैकफंगस के बढने् के संभावित कारण के रूप में कोविड के उपचार के लिए औद्योगिकऑक्सीजन के अशुद्ध वितरण की संभावित भूमिका की ओर इशारा करते हुए। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय जर्नल एल्सेवियर में आज प्रकाशित म्यूकोर्मिकोसिसके प्रसार पर भारतीय शोधकर्ताओं द्वारा किए गए पहले अध्ययन में दुनिया भर में कोविड रोगियों में म्यूकोर्मिकोसिस के कुल 101 मामले पाए गए - 82 भारत से और 19 दुनिया के बाकी हिस्सों से।

अशोका एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी की सराहनीय पहल

गांव-गांव पहुंच रहे युवा ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण

कटनी। अशोका एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी के सदस्य जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा के निर्देशन में कोरोना संक्रमण के रोकथाम हेतु एवं बचाव हेतु जनजागरण का कार्य कर रहे हैं। रविवार को भी सदस्यों ने गांव गांव पहुंचकर विभिन्न बस्तियों में लोगों की थर्मल स्क्रीनिंग, ऑक्सीजन लेवल, ब्लड प्रेशर की जांच की। इस सम्बंध में जानकारी देते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने बताया कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं खजुराहो के सांसद विष्णुदत्त शर्मा की मंशानुसार शासन प्रशासन का सहयोग करना हमारा कर्तव्य है। गांवों में कोरोना का संक्रमण अधिक ना बढ़े, वैक्सिनेशन के प्रति नागरिक भ्रमित ना हों इसके साथ ही उन्हें समय पर आवश्यक दवाइयां उपलब्ध हों इसके लिए हमारी समिति सतत प्रयासरत है। इसी कड़ी में आज समिति के सदस्यों ने ग्राम पहाड़ी, देवरी, तखला आदि गांवो में घर घर पहुँचकर लोगो का स्वास्थ्य परीक्षण किया एवं उन्हें जागरूक किया।

मां थी बीमार, ठेकेदार नहीं दे रहा था मजदूरी के 13 हजार

पीड़ित मजदूर को टीआई बरही ने दिलवाई मजदूरी की राशि

बरही। ईंट बनाने वाला मजदूर ठेकेदार से अपनी मेहनत मजदूरी की राशि मांग रहा था। मजदूर की मां बीमार थी, लेकिन ठेकेदार मजदूरी नही दे रहा था। रविवार की दोपहर मामला बरही थाने की दहलीज में पहुंचा। पीड़ित की व्यथा सुनते ही बरही थाना प्रभारी संदीप अयाची ने ठेकेदार को बुलाकर उसे जमकर फटकार का सबक सिखाया, जिसके बाद ठेकेदार ने पीड़ित मजदूर को उसके मेहनत के 13 हजार रुपए दिए। यह पूरा मामला कैमोर के लालनगर निवासी मजदूर अनिल कोल बरही के छिन्दीया टोला में ईंट बनाने का काम करता था, जिसकी माँ की तबियत बिगड़ने पर मजदूर ने ठेकेदार गोलू चक्रवर्ती से अपनी मेहनत मजदूरी के 13 हजार मांगे, लेकिन ठेकेदार मजदूरी नही दे रहा था। पीड़ित निराश व हताश था। न्याय की गुहार लगाने एवं अपनी मेहनत की कमाई पाने के लिए मजदूर बरही थाना पहुंच गया। मामला बरही टीआई संदीप अयाची के संज्ञान में आते ही उन्होंने तत्काल एक्शन लेकर पीड़ित मजदूर को उसकी मजदूरी दिलाने के साथ ही उसे राशन सामग्री भी भेंट की। बरही टीआई की इस तात्कालिक मदद पर पीड़ित मजदूर अनिल एवं उसकी बूढ़ी मां ने सराहना करते हुए पुलिस का आभार ज्ञापित किया।

मचमचा पहुंचा बरही पुलिस का कारवां, जरूरतमंदों को मिली राशन सामग्री

पुलिस का मिशन सम्बल जरूरतमंदों का बढ़ा रहा हौसला

बरही। पुलिस का मिशन सम्बल आपदा की घड़ी में जरूरतमंदों का हौसला बढ़ा रहा है। पिछले 10 दिनों से हर दिन गांव-गांव पहुँचकर बरही पुलिस के अधिकारी टीआई संदीप अयाची राशन के साथ सब्जी वितरण में पूरे उत्साह के साथ अपने स्टाफ संग सेवा में जुटे हुए है। शनिवार को जहां ग्राम करौदी के 100 जरूरतमंद ग्रामीणों को सामग्री प्रदान की गई, तो वही रविवार की रात ग्राम कुआं की आश्रित बस्ती मचमचा पहुँचकर थाना प्रभारी संदीप अयाची राशन, अनाज के साथ सब्जियों के थैले ग्रामीणों

को वितरित किए। गौरतलब है कि बरही नगर के मराठी बस्ती से राहत देने का सिलसिला प्रारम्भ हुआ था, जो नगर के हरतला टोला, चौधरी मुहल्ला, आदिवासी बस्ती के उपरांत जिले के अंतिम छोर खितौली चौकी क्षेत्र के मिडका-मिडकी, करौदी के बाद आदिवासी बस्ती मचमचा टोला में रविवार को वितरण किया गया।

जीवन के लिए जरूरी है टीका

बरही थाना टीआई इन दिनों राशन वितरण के दौरान ग्रामीणों को हर हाल में कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए टीका लगवाने प्रेरित करते हुए संवाद स्थापित कर रहे है। ग्रामीणों को टीका के प्रति गलत धारणा को दूर करने का सराहनीय प्रयास किया जा रहा।

राष्ट्रद्रोही बयान देकर दहशत का माहौल बना रहे पूर्व सीएम कमलनाथ

भाजपा ने ज्ञापन सौंपकर की कार्रवाई की मांग

कटनी। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा कोरोना को लेकर भारत की छवि खराब कर भय का माहौल निर्मित कर देश की जनता, किसानों को भ्रमित कर देश की शांति भंग करवाकर देश में आराजकता का माहौल बनाया जा रहा है। उक्ताशय के आरोप लगाते भाजपा जिलाध्यक्ष ने भाजपा नेताओं के साथ कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष पीताम्बर टोपनानी वरिष्ठ नेता चेतन हिंदुजा, भाजयुमो जिलाध्यक्ष मृदुल द्विवेदी, माधवनगर मंडल अध्यक्ष वागीश आनंद, राजेश भास्कर, रविन्द्र छुट्टू मिश्रा, दुर्गेश चौबे, सुहेल अली, विमल साहू उपस्थित थे। शिकायत में कहा गया कि कमलनाथ भड़काऊ बयान का वीडियो जारी कर आमजन में भय दहशत का माहौल बना रहे हैं। आज देश सहित सम्पूर्ण विश्व के सभी देश एकजुट होकर चीन द्वारा फैलाये गये कोरोना वायरस की महामारी से लड़ रहे है, आज भारत में प्रधानमंत्री के नेतृत्व देश का प्रत्येक नागरिक सरकार के कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष कर रहा है, जिसमें डॉक्टरर्स, नर्सेस, पुलिसकर्मी, शासन व प्रशासन के प्रत्येक व्यक्ति, कई सामाजिक संगठन एवं कई राजनैतिक दल भी इस वैश्विक महामारी के दौरान एकजुट हैं। ऐसे समय में सरकार के खिलाफ देश की

जनता को भ्रमित कर आक्रोश एवं अराजकता फैलाकर देश की सार्वजनिक शांति भंग करने के उद्देश्य से शासन के आदेश का उल्लंघन कर निजी स्वार्थ हेतु कांग्रेस की दूषित मानसिकता का परिचय देते हुये पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के द्वारा एक वीडियो जारी कर स्पष्ट रूप से चायनीज कोरोना को इंडियन कोरोना कहा गया है, उक्त बयान भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छवि बिगाड़ने वाला है, साथ ही यह आम नागरिकों के बीच भय का महौल भी पैदा करता है। उनका यह भी कहना है कि सरकार लाखों लोगों की मौत का आकड़ा छुपा रही है जो कि बेहद आपत्तिजनक व भय का वातावरण फैलाने वाला है। भाजपा ने शिकायत में कहा कि मध्यप्रदेश की हर जिले में धारा 144 के तहत आदेश पारित कर भय फैलाने वालों, सोशल मीडिया का दुरूपयोग करने वालों के खिलाफकार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं। ऐसे में पूर्व मुख्यमंत्री का बयान भय और अशांति फैलाने वाला है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों के हित में डीएपी के भाव कम करने का एतिहासिक निर्णय लिया लेकिन इसका सही संदेश किसानों तक न पहुंचे इसलिए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अपने विधायकों के साथ हुई वर्चुअल मीटिंग में आग लगाने की बात कहकर कानून और शांति व्यवस्था को भंग करने का काम किया है। उनका यह आग लगाने का बयान भारत देश की जनता और किसानों को सरकार के खिलाफभ्रमित कर आक्रोश एवं अराजकता फैलाकर देश की सार्वजनिक शांति भंग करने एवं आमजन को भड़काकर सरकार के खिलाफ अवैधानिक कदम उठाने हेतु उकसाये जाने एवं दंगा भड़काये जाने के उद्देश्य से किया गया जो कि स्पष्ट रूप से देशद्रोह की श्रेणी में आकर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 124 ।, 505 (1), 153, एवं 188 के तहत दण्डनीय है। एक ही समय में चायनीज कोरोना को इडियन कोरोना, मौत के झूठे आकड़े और विधायकों को आग लगाने के लिए प्रेरित करना किसी बड़ी साजिश की रणनीति का हिस्सा लगता है। यह बयान भड़काऊ होकर अशांति फैलाने वाले और डराने वाले हैं। यदि शीघ्र इनके खिलाफकड़ी कानूनी कार्यवाही नही की गई तो प्रदेश में कानून व्यवस्था निश्चित रूप से बिगड़ जायेगी। अत्यंत घृणित एवं आपराधिक कृत्य किये जाने कारण तत्काल प्रकरण दर्ज कर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए।

वर्चुअल माध्यम से जुड़ी 38 ग्राम पंचायतें

कलेक्टर ने ली ब्लॉक एवं ग्राम स्तरीय क्राईसिस मैनेजमेन्ट ग्रुप की बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

कटनी। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा द्वारा सभी ब्लॉक के क्राईसिस मैनेजमेन्ट ग्रुप की वर्चुअल बैठक ली गई। इस दौरान उन्होने कोरोना कर्फ्यू का सख्ती से पालन कराने, केस टू केस मॉनीटरिंग करने और टीकाकरण को लेकर विस्तार से निर्देश दिये। साथ ही सस्पेक्टेड केस पर कड़ी नजर रखने के आदेश भी श्री मिश्रा ने दिये। वर्चुअल मीट में सीईओ जिला पंचायत जगदीश चन्द्र गोमे भी शामिल हुये। बैठक में येलो एवं रेड जोन की 38 ग्राम पंचायतों की ग्रामस्तरीय क्राईसिस मैनेजमेन्ट ग्रुप की टीम भी जुड़ी। ब्लॉकस्तरीय क्राईसिस मैनेजमेन्ट ग्रुप की बैठक में कलेक्टर ने कहा कि कोरोना के टीकाकरण के प्रति जनजागरुकता के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा सभी विकासखण्डों में जागरुकता रथ भेजे गये हैं। सभी जनप्रतिनिधियों का भी इसमें सहयोग लें। उनके माध्यम से भी टीकाकरण के प्रति जनजागरुकता लायें।

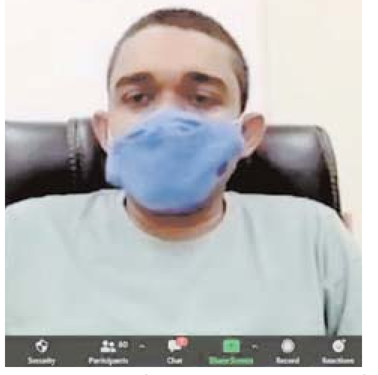

आगामी सप्ताह में सभी रेड जोन की ग्राम पंचायतों को येलो जोन में लाने और येलो जोन की ग्राम पंचायतों को ग्रीन जोन में लाने का लक्ष्य बनाकर हम मुस्तैदी से काम करें। टीकाकरण की प्लानिंग पर कलेक्टर श्री मिश्रा ने विशेष जोर दिया। उन्होने कहा कि टीकारण बेहद जरुरी है। वहीं जिन ग्राम पंचायतों में एक्टिव केस हैं, उनकी मॉनीटरिंग भी की जाये। यदि नये केस सामने आते हैं, तो उनकी कांटेक्ट ट्रेसिंग पर विशेष फोकस करें।

संकट के जनता की मदद के सहभागी बनें भाजपा कार्यकर्ता

15वें दिन सांसद कोविड सहायता केंद्र से की गई जरूरतमंदों की सेवा

कटनी। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए कोरोना के इस संकट काल में जनता के लिए सहभागी बने हुए हैं। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष एवं खजुराहो के लोकप्रिय सांसद विष्णुदत्त शर्मा के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय में सांसद कोविड सहायता केंद्र के द्वारा 15वें दिन भी कोरोना पीड़ितों की भाजपा कार्यकर्ताओं ने मदद की। भाजपा जिलाध्यक्ष ने बताया कि भाजपा का हर कार्यकर्ता जनता के साथ है, उन्होंने समस्त भाजपाजनो से संकट की इस घड़ी में

जरूरतमन्दो की मदद में सहभागिता निभाने का आग्रह करते हुए बताया कि सांसद कोविड सहायता केंद्र कोविड पीड़ितो एवं उनके स्वजनों की मदद के लिए सहायक बना हुआ है।लगातार 15वें दिन सांसद सहायता केंद्र द्वारा चिकित्सालय में जरूरतमंदों को भोजन के पैकेट, गर्म पानी, आयुष का त्रिकुट काढ़ा, सादा पानी, बिस्किट, मास्क, सेनेटाइजर बांटा गया। इस पुनीत कार्य में भाजपा जिलाध्यक्ष, पूर्व जिलाध्यक्ष पीताम्बर टोपनानी, जनपद अध्यक्ष कन्हैया तिवारी, चेतन हिंदुजा, रवि खरे, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष मृदुल द्विवेदी, सुरेश रोचलानी, ललित जायसवाल, घनश्याम चावला, राजेश भास्कर, पप्पा मिश्रा, छुट्टू मिश्रा, ललित गुप्ता, शिवम शर्मा, सुनील डोडानी, अहमद बख्श, मयंक गुप्ता, शिवकुमार सोनी, अमन खटीक छोटा बच्चू, संतोष पटेल, देवेंद्र सोनी, सोनू बहरे, मनीष त्रिसोलिया, आशीष मिश्रा, अभिषेक शर्मा, नवीन मोटवानी, नितेश तिवारी, विवेक गुप्ता, विमल साहू, विष्णुशंकर मिश्रा, नाजू खान, दीपक तिवारी, मनोज गोस्वामी, मंगल तिवारी, रुद्र श्रीवास, अमित पिल्लै आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अधिवक्ताओं की मदद के लिए आगे आया संघ

खाद्य सामग्री सहित अत्यावश्यक वस्तुओं का वितरण

कटनी। कोरोना संक्रमण काल के दौरान शहर में कई अधिवक्ता साथी ऐसे हैं, जो आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। पिछले करीब डेढ़ महीने से लॉकडाउन के चलते न्यायालय बंद है, जिससे अधिवक्ताओं को कई तरह की आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे अधिवक्ताओं की मदद का बीड़ा जिला अधिवक्ता संघ ने उठाया है। जिला अधिवक्ता संघ कटनी के अध्यक्ष अमित शुक्ला ने बताया कि आज करीब एक सैकड़ा से अधिक जरूरतमंद अधिवक्ताओं को खाद्य सामग्री के साथ ही अन्य जरूरतमंद वस्तुओं का वितरण किया गया है, जिससे उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो। मदद का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। जब तक लॉकडाउन है, तब जिला अधिवक्ता संघ अपने अधिवक्ता साथियों की मदद के लिए तत्पर रहेगा। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष मीत धवल, कार्यकारिणी सदस्य अंजुला बजाज, अभिषेक पांडे मोनू, दुष्यंत गुप्ता, अजय जायसवाल, के के गुप्ता एवं विष्णु पटेल सहित अन्य अधिवक्ताओं की उपस्थिति रही।

गांव में एक्टिव केसेस की करें मॉनीटरिंग

नए केस आने पर होगी कांटेक्ट ट्रेसिंग, अपर कलेक्टर के निर्देश

कटनी। शनिवार को अपर कलेक्टर रोहित सिसोनिया ने जिले के ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होने ककरहटा, बम्हौरी पहुंचकर होम आईसोलेशन में रह रहे कोरोना पॉजीटिव पेशेन्ट्स की जानकारी ली। उनके घरों में पहुंचकर उनके स्वास्थ्य के विषय में जानकारी प्राप्त की। साथ कोविड कमाण्ड कंट्रोल रुम से आ रहे कॉल्स और दिये जा रहे चिकित्सीय परामर्श के विषय में भी जाना। ग्राम बम्होरी में अपर कलेक्टर ने ग्रामस्तरीय संकट प्रबंधन समूह की बैठक भी ली। जहां उन्होने ग्राम में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिये किये जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। साथ ही व्यवस्थाओं को और अधिक दुरुस्त करने के निर्देश उन्होने दिये। श्री सिसोनिया ने कहा कि हमें हर हाल में अपने गांव को कोरोना मुक्त बनाना है।

गांव में जो भी एक्टिव केसेस हैं, उनकी सतत मॉनीटरिंग करें और नये केस आने पर कांटेक्ट ट्रेसिंग करें। ग्रामस्तरीय संकट प्रबंधन समूह की बैठक में कोरोना टीकाकरण के प्रति जनमानस में जागरुकता लाने और जुटकर वेक्सनेशन कराने की बात भी अपर कलेक्टर ने कही। उन्होने कहा कि कोरोना का टीका पूर्णतः सुरक्षित है। आमजन में यदि कोई भ्रम हो तो उसे दूर करें।

यश भारत

सिटी न्यूज

कटनी, सोमवार, 24 मई 2021

आज की खबर अभी, आप रहें घर पर
सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर यशभारत
www.yashbharat.com
https://www.facebook.com/yashbharatnews/
YASHBHARAT-Epaper

ग्रामीण क्षेत्रों में गहराया पेयजल संकट

हैंडपंप बंद पड़े, नल जल योजना ठप्प, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का उदासीन रवैया

बड़वारा तहसील के ग्राम बड़ागांव में 5 किलोमीटर दूर से पानी लाने मजबूर ग्रामीण

कटनी। कोरोना संक्रमण के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में लोग एक-एक बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति के लिए संचालित नल जल योजना फ्लॉप शो साबित हो रही है। हैंडपंप बंद पड़े हैं, जिससे लोगों को 4 से 5 किलोमीटर दूर से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। ग्रामवासियों द्वारा सीएम हेल्पलाइन में शिकायतें किए जाने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। पानी के लिए लोग परेशान हैं लेकिन उनकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है।

जिले की बड़वारा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम बड़ागांव नंबर एक में पिछले कई दिनों से पानी की किल्लत बनी हुई है। ग्राम के लोग बताते हैं कि यहां पिछले कई दिनों से हैंडपंप बंद पड़े हुए हैं और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने इस ओर अभी तक ध्यान नहीं दिया। पेयजल संकट गहराने के बाद भी ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों ने भी इस समस्या के हल के लिए प्रयास नहीं किए। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन में भी की। शिकायत किए जाने के बाद सीएम हेल्पलाइन से फोन आया कि आपकी समस्या का समाधान कर दिया गया है, जबकि हालत यह है कि ग्राम में नल जल योजना एवं हैंडपंप बंद पड़े हैं और लोगों को 4 से 5 किलोमीटर दूर से ग्राम वासियों को पानी लाना पड़ रहा है। ग्रामवासियों ने कलेक्टर का ध्यान इस समस्या की ओर दिलाते हुए पेजयल संकट का निराकरण करने की मांग की है।

शादियों के लिए जून में 14 शुभ मुहूर्त

अनलॉक की खबरों ने जगाई उम्मीदें

कटनी। भारत में गर्मियों का सीजन शादी-विवाह और उपनयन जैसे समारोहों के लिए उपयुक्त माना जाता है। देश में अधिकतर शादियां गर्मी के मौसम में ही होती हैं। इस दौरान स्कूलों की छुट्टियां भी रहती हैं और किसानों के पास भी कोई काम नहीं रहता। चूंकी देश की बड़ी आबादी किसानी का काम करती है। इस वजह से गर्मी में शादियां ज्यादा होती हैं। हालांकि कोरोना महामारी के कारण पिछले 2 सालों से गर्मी में लॉकडाउन रहा है और शादियां नहीं हो पा रही हैं। यही वजह थी कि पिछले साल ठंडी के मौसम में खूब शादियां हुई थी। इस साल भी कोरोना के चलते अब तक गर्मी के दिनों में शादियां नहीं हो पाई हैं। देश में कोरोना की दूसरी लहर का कह अब कम हुआ है और उम्मीद जताई जा रही है कि 1 जून से लॉकडाउन हटाया जा सकता है। इस साल गर्मी के सीजन में कुल 34 शुभ मुहूर्त थे। इनमें से 20 लॉकडाउन में बीत चुके हैं। अब बचे हुए 14 दिनों में ही सामाजिक आयोजन हो पाएंगे।

हर क्षेत्र से जुड़े लोगों को हुआ नुकसान

शादी के सीजन में सराफा, कपड़ा, ट्रेलरिंग, श्रृंगार, ब्यूटी पार्लर, मेहंदी, मिठाई, किराना दुकानों में सबसे ज्यादा कारोबार का होता था। शादियों की सीजन के शुरुआती दौर में ही 9 अप्रैल को लॉकडाउन लग गया था। लॉकडाउन के कारण सब बंद होने से पुरोहितों से लेकर हर सेक्टर के लोगों को खासा नुकसान हुआ है।

पंडितों की हालत भी खराब

शादी सीजन में पंडितों के पास अच्छा खासा रोजगार रहता था और उनकी जमकर आमदनी होती थी। आम समय में लोगों के पास पैसा भी ठीक-ठाक होता था और वो दिल खोलकर दान दक्षिणा देते थे। पिछले दो सालों से उनकी हालत भी खराब है। इस साल 22 अप्रैल से शादियों का सीजन शुरू होने वाला था लेकिन इससे पहले 9 अप्रैल से सख्त लॉकडाउन हो गया। सबसे बड़ा अबूझ मुहूर्त अक्षय तृतीया भी लॉकडाउन की भेंट चढ़ गया। केवल इस दिन ही 100 से 150 शादियां होती थीं।

3 जुलाई को है आखिरी मुहूर्त

इस सीजन में अब केवल 14 शुभ मुहूर्त ही बचे हैं। मई में 26, 29, 30, 31 तारीख और जून में 4, 5, 6, 18, 19, 20, 26, 27, 28 एवं 30 तारीख को शादी के लिए उचित समय है। जुलाई में आखिरी मुहूर्त 3 तारीख को है। इसके बाद जुलाई में चातुर्मास के कारण मुहूर्त नहीं है। नवंबर के महीने में देवउठनी एकादशी से शादियों का सीजन फिर से शुरू होगा।

कोरोना संक्रमण से मौतों पर दर्ज हो गैर इरादतन हत्या का मामला

कोतवाली पहुंचे कांग्रेस जन, सीएम के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग, सौंपा ज्ञापन

कटनी। कोरोना संक्रमण से प्रदेश में होने वाली मौतों पर सियासत तेज हो गई है। मौतों को लेकर पूर्व सीएम कमलनाथ द्वारा राज्य सरकार को घेरने और उनके खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद कांग्रेस भी मैदान में कूद गई है।

आज कांग्रसेजनों ने कोतवाली पहुंचकर टीआई विजय विश्वकर्मा को एक ज्ञापन सौंपकर कोविड संक्रमण से होने वाली मृत्यु के आंकड़े छिपाने और प्रदेशवासियों को भ्रमित करने के कारण मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की। सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि वर्ष 2021 के प्रारभिक दौर में कोरोना की दूसरी लहर ने मप्र में अपने पांव पसारना शुरु किये और कोराना पॉजिटिव मरीजों की मृत्यु का सिलसिला चालू हो गया था हालांकि दूसरी लहर के शुरुआती दौर में स्थिति इतनी भयावह नहीं थी। कोरोना की दूसरी लहर आने के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान उपेक्षापूर्ण व्यवहार करते रहे। उनके इशारे पर कोरोना पीड़ितों की संख्या को छुपाया गया है। यहां तक कि शमशानघाट एवं कब्रिस्तानों में हुए दाह संस्कारों की संख्या को भी छुपाया जा रहा है और साथ ही इलाज की समुचित व्यवस्था भी नहीं कराई गई। जिससे मरीज परेशान हुए एवं असमय काल के गाल में समा गये, जिसके लिए मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं, जबकि समाचार पत्रों, सोशल मीडिया एवं वैज्ञानिकों द्वारा संदेश दिये जा रहे थे कि स्थिति भयानक होने वाली है, परन्तु मुख्यमंत्री ने अपनी हठधर्मिता के चलते किसी भी तरह की पर्याप्त व्यवस्था नहीं की। लगातार कोरोना से हुई मौतों के ऑकड़ों को प्रदेश वासियों से छुपाते रहे। फलस्वरुप मप्र में कोरोना से होने वाली मृत्यु का तांडव पूरे प्रदेश में बढ़ता गया। पूरे प्रदेश में व कटनी में भय का वातावरण बन गया और जनता त्राहि-त्राहि करने लगी।

जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने के लिए मुख्यमंत्री दोषी हैं। इन पर गैर इरादतन हत्या का प्रकरण दर्ज होना चाहिए। इस अवसर पर बड़वारा विधायक बसंत सिंह, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मिथलेश जैन, ग्रामीण अध्यक्ष गुमान सिंह, पद्मा शुक्ला, करण सिंह चौहान, हरिशंकर शुक्ला, मनु दीक्षित, जालिम यादव, रौनक खंडेलवाल, इस्तयाक अहमद सहित अन्य कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

7 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने ही एप से दी रीडिंग

कटनी। कोरोना संक्रमण के दौरान अप्रैल के महीने में शहर में केवल 7 प्रतिशत बिजली उपभोक्ताओं ने ही स्मार्ट बिजली एप से रीडिंग दी है। जिससे ऐसे उपभोक्ताओं को रीडिंग का बिल दिया गया है, जबकि बाकी उपभोक्ता ऐसे हैं, जिन्हें रीडिंग नहीं मिलने के कारण एवरेज बिल दिया गया है।

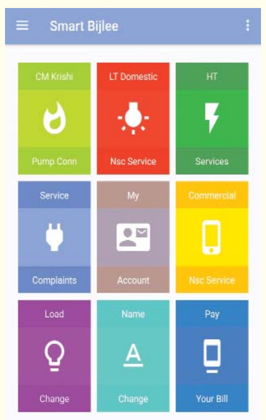

विदित हो कि कोरोना संक्रमण के दौरान मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा घरेलू उपभोक्ताओं के मीटरों की रीडिंग के लिए स्मार्ट बिजली एप से मीटर की फोटो खींचकर रीडिंग भेजने के लिए कहा गया था, जिसे उन्हें रीडिंग का बिल भेजा जा सके लेकिन कटनी शहरी क्षेत्र की बात करें तो 60 हजार उपभोक्ताओं में से मात्र 4200 उपभोक्ता ही ऐसे रहे, जिन्होंने स्मार्ट बिजली एप के माध्यम से अपने मीटर की फोटो खींचकर भेजी। गौरतलब है कि कोरोना संक्रमण चलते मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने आम बिजली उपभोक्ताओं को औसत बिल से बचने के लिए स्मार्ट बिजली एप पर 5 मई तक मीटर रीडिंग की फोटो खींचकर भेजने को कहा था। ऐसा करने पर उपभोक्ता को वास्तविक खपत के आधार पर बिल मिलेगा। जानकारी के अनुसार कंपनी की ओर से कहा गया था कि कोरोना के चलते मीटर रीडिंग कराने में परेशानी हो रही है। इस कारण घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के मीटर की रीडिंग होने में दिक्कतें आ रही थीं। मीटर रीडर को बिजली उपभोक्ताओं के परिसर के बाहर लगे मीटर की ही रीडिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। परिसर के अंदर लगे मीटर वाले उपभोक्ताओं को पिछले महीने की रीडिंग के आधार पर ही बिल जारी किए जाएंगे।

स्मार्ट बिजली एप से खुद कर सकते हैं रीडिंग

अतिरिक्त अधीक्षण अभियंता विकास सिंह ने बताया कि कंपनी क्षेत्र के बिजली उपभोक्ता चाहें तो घर बैठे स्मार्ट बिजली एप से अपने घर के मीटर की रीडिंग कर सकते हैं। इसके लिए एप के मीटर रीडिंग विकल्प का चयन करना होगा। मीटर रीडिंग की फोटो अपलोड कर एक से 5 तारीख के बीच भेजना होगा। इससे उपभोक्ता को माह की वास्तविक रीडिंग का बिल प्राप्त हो पाएगा।

साल का पहला चंद्रग्रहण 26 को भारत में नहीं दिखेगा

कटनी। कटनी। इस बार बुद्ध पूर्णिमा के दिन 26 मई को साल का चंद्रग्रहण पड़ेगा। इस चंद्रग्रहण का असर भारत में दिखाई नहीं देगा। इससे सूतककाल नहीं लगेगा। धार्मिक स्थलों पर पूजा-विधि में कोई रुकावट नहीं आएगी। पंडित पुष्पेन्द्र द्विवेदी ने बताया कि पांच महीने बाद इस साल का पहला खग्रास चंद्रग्रहण 26 मई को पूर्णिमा पर होगाए पर इस का असर मप्र सहित भारत दिखाई नहीं देगा। जिससे सूतक नहीं माना जाएगा। यह स्थिति पृथ्वी की गति में कुछ अंतर आने से बनी है। इसके चलते आने वाले तीन ओर ग्रहण यहां दिखाई नहीं देंगे। कुछ पंचांगों में देश के उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों में इन ग्रहण के आंशिक प्रभाव का उल्लेख है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल भी अंतिम छाया चंद्र ग्रहण 30 नवंबर को और सूर्य ग्रहण 14 नवंबर को था। बहरहाल उपछाया होने के कारण ये भारत में नहीं दिखेगा और भारत में इसका सूतक भी नहीं माना जाएगा। यह ग्रहण भारतीय समयानुसार दोपहर 2:12 बजे शुरू होगा और शाम 7:29 बजे खत्म होगा। ये ग्रहण दक्षिण पूर्व एशिया, आस्ट्रेलिया, अलास्का, कनाडा, ओशिनिया और दक्षिण अमेरिका में दिखाई देगा। ज्योतिष अनुसार ग्रहण का असर सभी राशियों पर कुछ न कुछ पड़ता है। पांच राशियों पर इस ग्रहण का शुभ प्रभाव पड़ेगा। जिसमें मेष, वृष, मिथुन, कन्या और मकर राशि के जातकों के लिए ग्रहण शुभ फलदायी रहेगा।

2021 में इतने ग्रहण दिखेंगे

कंकणाकृती सूर्यग्रहण 10 जून को भारत में दृश्य नहीं होगा। खंडग्रास चंद्रग्रहण 19 नवंबर को भारत में अल्प समय के लिए दिखेगा फिर खंडग्रास सूर्यग्रहण 4 दिसंबर को यह ग्रहण भारत में दृश्य नहीं होगा।

कोरोना महामारी का असर होगा काम

इस साल ग्रहण भारत में भले ही प्रभावहीन हों, पर उनका मौसम समेत अलग-अलग क्षेत्रों में असर दिखाई देगा। ग्रहण कोई भी हो उससे संक्रमण फैलने की संभावना रहती है। इस वर्ष 4 में से 2 चंद्रग्रहण ही आंशिक रूप से होंगे। इसके चलते भारत में इसका अधिक असर नहीं रहेगा। जिससे भारत में कोरोना महामारी का प्रकोप कम हो जाएगा।

दोपहर 2:18 से शाम तक रहेंगा ग्रहण

इस साल का पहला चद्रग्रहण 26 मई को रहेंगा। जो दोपहर 2:18 से शाम 7:19 बजे तक रहेगा। यह भारत में नहीं दिखेगा। तो वहीं दूसरा चंद्रग्रहण 19 नवंबर को सुबह 11:32 से शाम 5:29 बजे तक रहेगा जो भारत में नहीं दिखाई देगा। यह केवल प्रशांत महासागर, पूर्वी एशिया और ऑस्ट्रेलिया में ही दिखेगा।

क्या है उपछाया ग्रहण

पूर्ण और आंशिक ग्रहण के अलावा एक उपछाया ग्रहण भी होता है। चंद्रमा जब पृथ्वी की वास्तविक छाया में नहीं आता है और उसकी उपछाया से ही बाहर निकल जाता है, ऐसे ग्रहण को उपछाया ग्रहण कहते हैं। उपछाया ग्रहण को वास्तविक चंद्र ग्रहण नहीं माना जाता है। इस ग्रहण में चंद्रमा के रंग और आकार में भी कोई बदलाव नहीं होता है। हालांकि इसमें चंद्रमा पर एक धुंधली सी छाया नजर आती है। बता दें कि कोई भी चंद्रग्रहण जब भी आरंभ होता है तो ग्रहण से पहले चंद्रमा पृथ्वी की परछाई में प्रवेश करता है, जिससे उसकी छवि कुछ मंद पड़ जाती है तथा चंद्रमा का प्रभाव मलीन पड़ जाता है। जिसे उपछाया कहते हैं। इस दिन चंद्रमा पृथ्वी की वास्तविक कक्षा में प्रवेश नहीं करेंगे अतः इसे ग्रहण नहीं कहा जाएगा।

यदि आप तक समय पर यश भारत नहीं पहुंच रहा है तो संपर्क करें फोन :- 230033

किराये से देना है
सिंगल रूम अटैच- 3000 प्रतिव्यक्ति
सर्विस वालों एवं ऑफिस के लिए- 5000 दो व्यक्ति
पता- बीजेपी कार्यालय के सामने जबलपुर रोड बरगवां कटनी (म.प्र.)
मो. 8109417340

एम.जी.एम. स्कूल/कॉलेज ऑफ नर्सिंग
Ph. : 07622 - 405074, Mob. 7771001902
Email. : mgmnursingkte@gmail.com | Website : mgmnursingcollege.com
जिले के सर्वप्रथम पोस्ट बेसिक BSc.नर्सिंग कॉलेज में प्रवेश प्रारंभ
विशेषतायें
डिप्लोमा जी.एन.एम. नर्सिंग उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को पोस्ट बेसिक BSc. डिग्री नर्सिंग कोर्स करने का सुनहरा अवसर दो वर्षों में BSc. नर्सिंग करें।

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि	शैक्षणिक अर्हता
1	बी.एस.सी. (नर्सिंग)	4 वर्ष	12 वीं (बायोलॉजी)
2	जी.एन.एम. (नर्सिंग)	3 वर्ष	12 वीं
3	पोस्ट बेसिक बी.एस.सी.(नर्सिंग)	2 वर्ष	GNM उत्तीर्ण

छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति शासन द्वारा नियमानुसार प्रदान की जाती है
SC / ST/ OBC

छात्रावास एवं मेस (भोजन) की सुविधा
जिला अस्पताल कटनी, मनोरोग चिकित्सालय इंदौर में प्रशिक्षण
मान्यता प्राप्त - इण्डियन नर्सिंग काउंसिल नई दिल्ली, म.प्र. चिकित्सा शिक्षा विभाग भोपाल, म.प्र. स्टेट नर्सिंग काउंसिल भोपाल, म.प्र.मेडिकल यूनिवर्सिटी जबलपुर

कोरोना संक्रमण को नियंत्रण करने में जुटा सफाई अमला

कटनी। कलेक्टर एवं प्रशासक प्रियंक मिश्रा एवं निगमायुक्त सत्येन्द्र धाकरे के निर्देशन में नगर में कारोना संक्रमण के प्रसार पर लगाम लगानें हेतु जिला प्रशासन के निर्देशन में निगम का अमला निरंतर कार्य कर रहा है। निगम के स्वच्छता दूतों द्वारा नगर की सुचारू सफाई व्यवस्था हेतु दो पालियो मे नगर के मुख्य एवं अन्य मार्गो की सफाई की जाकर कचरे के उठाव कार्य के साथ डोर टू डोर कचरे का संग्रहरण किया जा रहा है। नगर में संक्रमण का प्रसार न हो इस हेतु विभिन्न कोविड केयर सेंटर, चिकित्सालयों, वैक्सीनेशन केन्द्र, टीकाकरण केन्द्र के मेडिकल वेस्ट का पृथक वाहनों से उठाव तथा माइक्रो कंटेनमेंट जोन के मवनों से निकलनें वाले कचरे का भी पूर्ण प्रोटोकाल के साथ निस्तारण कराया जा रहा है। प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर की सफाई व्यवस्था के तहत प्रातः ट्रांसपोर्टनगर पुरैनी स्थित सब्जी मंडी, पन्ना मोड, बस स्टेण्ड के विभिन्न स्थलों, सागर पुलिया, राजीव गांधी वार्ड के खिरहनी ओव्हर ब्रिज एवं वार्ड के अन्य मुख्य मार्गो,श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड की विभिन्न गलियों, कावस जी वार्ड भीमराव चौक से विवेकानंद चौक, बरगवां ओव्हर ब्रिज के पास डिवाइडर की सफाई सहित नगर के विभिन्न वार्डो में चिन्हित माईक्रो कंटेनमेंट जोन जगमोहन दास वार्ड, सावरकर वार्ड रधुनाथ गंज वार्ड, महारानी लक्ष्मी बाई वार्ड, गुरूनानक वार्ड, विवेकानदं वार्ड, रविन्द्र नाथ टैगोर वार्ड झिझरी आदि स्थलों के भवनों से कचरे का संग्रहरण कार्य सहित सायना कोविड केयर सेंटर सहत अन्य स्थलों के मेडिकल वेस्ट की सफाई कराई का कार्य पृथक वाहनों से कराया गया।

वर्षा पूर्व नाले- नालियों की सफाई के किये जा रहे प्रयास

आगामी वर्षा ऋतु में नगर के नाले एवं नालियों के माध्यम से मुख्य मार्गो में पानी भराव की समस्या का सामना न करना पडे इस हेतु निगमायुक्त श्री सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशन में अभियान चलाकर लाल बहादुर शास्त्री वार्ड की नालियों, अहमद नगर में पानी निकासी हेतु जे.सी.बी मशीन से कच्ची नाली निर्माण का कार्य, चन्द्र शेखर आजाद वार्ड स्थित बाबली टोला की नाली, सागर पुलिया से नाली के कचरे का उठाव, महात्मा गांधी वार्ड स्थित गांधीगंज पीपल गली की नालियों, कावस जी वार्ड भट्टा मोहल्ला स्थित रवि पंडा खेर माता मंदिर के पीछे वाले नाले, भट्टा मोहल्ला मलिन वंशकार बस्ती विशाल वंशकार के सामनें वाली नाली सहित नगर के अन्य स्थलों की नालियों के अपशिष्ट की सफाई का कार्य कराया गया।

मिस्टगन मशीन से किया सेनेटाईजेशन

कटनी। कोविड-19 महामारी के संक्रमण के प्रसार को रोकने हेतु निगम प्रशासन द्वारा कोरोना विनाशक रथों एवं मिस्ट गन मशीन के माध्यम से रोजाना नगर के विभिन्न वार्डो में सैनेटाइजर अभियान चलाया जाकर विभिन्न रहवासी स्थल/सार्वजनिक स्थलों सहित संक्रमित स्थलों में सोडियम हाईपोक्लोराईड के घोल का छिडकाव किया जा रहा है। सैनेटाइजर प्रभारी पंकज निगम एवं अभिषेक बघेल ने जानकारी देते हुए बताया कि कलेक्टर एवं प्रशासक प्रियंक मिश्रा एवं निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे के कुशल निर्देशन में रोजाना योजनाबद्ध तरीके से अभियान की शुरूवात की जाकर नगर के विभिन्न स्थलों को विसंक्रमित करने की कार्यवाही युद्ध स्तर से की जा रही है। वार्ड क्रमांक 01 से 45 तक चलाये गए सैनेटाईजेशन अभियान के तहत आज दिव्यांचल कोविड केयर, सायना कोविड केयर, सेवा भारती कोविड केयर सेंटर, बालक छात्रावास राय कॉलोनी, कोविड सहायता केन्द्र जोन क्रमांक -1 ऑडिटोरियम परिसर, जोन क्रमांक-2 खिरहनी आंगनबाडी परिसर, जोन क्रमांक -3 टी.सी.बजान स्कूल परिसर, जोन क्रमांक 4 माधवनगर उपकार्यालय कोविड सहायता केन्द्र सहित दुर्गा चौक, पुराना जिला न्यायालय कचहरी परिसर वैक्सीनेशन केन्द्र, अंजूमन इस्लामिया स्कूल, कोविड जांच केन्द्र जैन स्कूल, दीनदयाल अन्त्योदय रसोई केन्द्र, कोतवाली थाना मुख्य रेल्वे स्टेशन, मुडवारा रेल्वे स्टेशन परिसर, बस स्टेण्ड सहित नगर के अन्य स्थलों में सोडियम हाईपोक्लोराईड के घोल का छिडकाव किया गया। नगर के विभिन्न रहवासी स्थलों मे संक्रमण के प्रसार पर नियंत्रण हेतु मुख्य मार्ग पन्ना मोड गली नंबर 1, चांडक चौक से धर्मलोक हास्पिटल मार्ग के दौनों ओर, गांधी द्वार से जिला चिकित्सालय मुख्य मार्ग, वेंकट वार्ड स्थित नरेन्द्र मार्ग गली, खिरहनी फाटक ओव्हर ब्रिज के पास निषाद स्कूल, डॉ सुब्बाराव गली, शास्त्री कॉलोनी चक्कीघाट रोड, डॉ अमित साहू गली एवं पीछे वाला मार्ग, यश मेडिकल एजेंसी गली, बडा बगीचा के के पास वाली गली सहित आसपास की विभिन्न गलियों, बाबू जगजीवन राम वार्ड स्थित जैन कॉलोनी की गली नबंर 6, 7 8, 9 एवं 10 के विभिन्न भवनों, रामजानकी हनुमान वार्ड स्थित तिलक कॉलेज मेन रोड, रोशन नगर क्षेत्र,, संत कवरराम वार्ड के विभिन्न स्थलों, रावर्ट लाईन, कैरिन लाईन, श्रीचंद मानवानी गली, जोघाराम गली, देश भंडार गली, माधवनगर उपकार्यालय के पीछे की बस्ती, हरिजन बस्ती माधवनगर, डेहरू लाईन, अमकुही स्थित आदिवसी मोहल्ला, सुलभ काम्पलेक्स एवं तिवारी मुहल्ला सहित अन्य संपूर्ण स्थलों में कोरोना विनाशक रथों तथा मिस्टगन मशीन के माध्यम से सरस्वती स्कूल रोड, आधारकाप रोड, आधारकाप के विभिन्न स्थलों, सिद्धबाबा गली, सहित लखेरा के विभिन्न स्थलों में सोडियम हाईपोक्लोराईड के घोल का छिडकाव किया जाकर स्थलों को विसंक्रमित किया गया।

चहला टोला बस्ती पहुंची पुलिस, खाद्य सामग्री का वितरण

रीठी। रीठी तहसील के ग्राम पंचायत तिघरा के सम्मिलित ग्राम चहला टोला बस्ती में कल पुलिस ने यहां रहने वाले परिवारों को खाद्य सामग्री का वितरण किया। विदित हो कि इस बस्ती में रहने वाले लोगों की समस्याओं को लेकर पिछले दिनों यशभारत ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी। जिस पर प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए यहां रहने वाले बच्चों को पोषण आहार का वितरण करते हुए इनके आयुष्मान कार्ड बनाए और तीन महीने का मुफ्त राशन देने के लिए पात्रता पर्ची का वितरण किया। बताया जाता है कि रविवार की शाम रीठी थाना प्रभारी रोहित यादव अपनी पुलिस टीम के साथ चहला टोली बस्ती पहुंचे। उन्हें सूचना मिली थी कि इस बस्ती में करीब 150 से अधिक गरीब आदिवासी निवास करते हैं। कोरोना महामारी एवं लॉक डाउन के चलते कहीं कामकाज करने को नहीं मिला। कुछ लोग ऐसे भी थे, जो कई तरह की समस्याओं से जूझ रहे थे। जिस पर रीठी टीआई द्वारा पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी द्वारा जिले भर में चलाए जा रहे मिशन सम्बल के तहत करीब 20 से 25 परिवारों को कच्चे राशन के पैकेट व अवश्य सामग्री जैसे चावल, आटा, दाल, तेल, साबुन, नमक का वितरण किया गया। चहला टोला के गरीब आदिवासी परिवार ने रीठी थाना प्रभारी व समस्त पुलिस टीम का संकट के समय किये गए सहयोग पर आभार व्यक्त किया।

वैक्सीनेशन जागरुकता रथ के साथ गांवों का भ्रमण

रीठी। कोरोना वैश्विक महामारी से आज पूरा विश्व प्रभावित है, वहीं शासन प्रशासन लोगो को बचाव हेतु हरसंभव प्रयास कर रहा हैं। इसी क्रम में रविवार को भी रीठी में जनअभियान परिषद के मेंटर व कोरोना वोलेंटियर्स टीम के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना वायरस से बचाव हेतु जनजागरूकता अभियान चलाया गया। रीठी जनपद के ग्राम देवरी फाटक, हरद्वारा, खिरवा, सिमरा, कुदरी, इमलिया व खम्हरिया नंबर 1 में कोरोना जागरूकता रथ का भ्रमण कराया गया। जिसमे जिला प्रशासन के वैक्सीन जागरूकता रथ के साथ सड़क पर उतरे वोलेंटियर्स और अन्य समाजसेवियों ने लोगों को जागरूक किया। टीम द्वारा ग्राम में निवासरत ग्रामीणों को कोरोना से बचाव हेतु मास्क का वितरण व नियमित रूप से उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया, साथ ही नियमित रूप से सेनेटाइजर का उपयोग कर हाँथ धोने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया। जागरूकता रथ के साथ वोलेंटियर्स द्वारा ग्राम खम्हरिया में ग्रामीणों को बचाव हेतु सुरक्षा की सावधानियां बताई एवं शपथ दिलाई गई। इस दौरान जनअभियान परिषद के मेंटर शरद यादव, शारदा श्रीवास, वोलेंटियर्स अजय यादव, बिंजन श्रीवास, ऋषभ पाल, यंक कंदेले, पराग सेन, अनुराग सेन, शैलेंद्र यादव, आकाश जैन, हेमंत सेन, रीतेश यादव, महेश यादव, लखन लाल, रामसिंह, बाबूलाल, राकेश गर्ग, लखन लाल, रामसिंह, अजय यादव सहित अन्य सदस्यों का सहयोग रहा।

मास्क वितरण के साथ दिलाई शपथ, जन अभियान की टीम ने लोगों को किया जागरूक

कंटेनमेंट जोन में छिड़काव

कटनी। संक्रमण के प्रसार को रोकनें हेतु निगम प्रषासन द्वारा आज अवकाष के दिनों में भी सैनेटाईजेषन अभियान चलाया जाकर नगर के विभिन्न रहवासी स्थलों, सार्वजनिक स्थलों सहित संक्रमित क्षेत्रों में विसंक्रमितिकरण की कार्यवाही की गई। सैनेटाइजर प्रभारी पंकज निगम एवं अभिषेक बघेल ने जानकारी देते हुए बताया कि वार्ड क्रमांक 01 से 23 तक के सैनेटाईजेषन प्रभारी अभिषेक बधेल ने बताया कि अवकाश के दिन सैनेटाईजर कार्य में संलग्न योद्धाओं द्वारा गणेष प्रसाद मसुरहा वार्ड स्थित महाकाल गली एवं अन्य गलियों, मुख्य मार्ग गांधी द्वारा से जिला चिकित्सालय, दुर्गा चौक के विभिन्न स्थलों, गुरूनानक वार्ड स्थित झूलेलाल मंदिर गली एवं मंदिर के पीछे वाली गली, शारदा गली, नरेन्द्र फर्नीचार के पीछे वाली गली, तुलसी नगर एवं गोपालनगर की विभिन्न गलियों में सैनेटाईजेषन का कार्य कराया गया। सैनेटाईजेषन अभियान के माध्यम से नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों, कोविड सहायता केन्द्र जोन क्रमांक -1 ऑडिटोरियम परिसर, जोन क्रमांक-2 खिरहनी आंगनबाडी परिसर, जोन क्रमांक -3 टी.सी.बजान स्कूल परिसर, सेवा भारती कोविड केयर सेंटर, सहित दुर्गा चौक,, पुराना जिला न्यायालय कचहरी परिसर वैक्सीनेषन केन्द्र, अंजूमन इस्लामिया स्कूल, कोविड जांच केन्द्र जैन स्कूल, दीनदयाल अन्त्योदय रसोई केन्द्र, मुख्य रेल्वे स्टेषन, मुडवारा रेल्वे स्टेषन परिसर, बस स्टेण्ड सहित नगर के अन्य स्थलों में सोडियम हाईपोक्लोराईड के घोल का छिडकाव किया गया। वार्ड क्रमांक 24 से 45 तक के प्रभारी पंकज निगम ने बताया कि संक्रमण के प्रसार पर नियंत्रण हेतु विभिन्न सार्वजनिक स्थलों दिव्यांचल कोविड केयर सेंटर, सायना कोविड केयर सेंटर, बालक छात्रावास राय कॉलोनी, कोविड सहायता केन्द्र, डन कॉलानी स्थित श्री अमित शक्ला गली, डॉ सौरभ गली सहित अन्य गलियों, मगलनगर के विभिन्न स्थलों ए.टी.एम गली, पंकज रावत गली, प्यासी गली सहित वार्ड के अन्य स्थलों, फारेस्टर वार्ड एम्बुलेंस रोड, रंगनाथ मंदिर रोड, एन.के.जे देषी शराब दुकान के पास सहित नगर के अन्य विभिन्न गलियो को सोडियम हाईपोक्लोराइड के घोल से विसंक्रमित करनें की कार्यवही की गई।

अस्थाई सब्जी मंडियों के संचालन हेतु किये जा रहे कारगार उपाय

कटनी। नगर में कोविड महामारी के प्रकोप को रोकनें हेतु कलेक्टर एवं प्रशासक प्रियंक मिश्रा एवं निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशन में रोजाना विभिन्न कारगार प्रयास किये जा रहे है। जिला प्रशासन के निर्देशन में नगर के विभिन्न चिन्हित स्थलों टांसपोर्टनगर पुरैनी, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मैदान, माधवनगर उत्कृष्ट विद्यालय के सामनें एवं फारेस्टर प्लेग्राउण्ड में प्रोटोकाल के साथ प्रातः 10 बजे तक थोक एवं फुटकर फल तथा सब्जी का व्यवसाय कराया जाकर संक्रमण की चैन को तोडनें की कार्यवाही रोजाना की जा रही है। निगम के अतिक्रमण दस्ते द्वारा रोजाना की तरह आज भी प्रातः से नगर के विभिन्न मुख्य मार्गो का भ्रमण किया जाकर कटाएघाट मोड के पास अनाधिकृत रूप से एक स्थल पर खडे होकर व्यवसाय करनें वाले ठेला व्यवसाईयों को समझाईश दी जाकर विभिन्न स्थलों में घूमकर व्यवसाय करनें तथा जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में अभियान चलाकर दुकानें खुली पाये जानें तथा बिना कार्य घूमनें वाले लोगों पर चालानी कार्यवाही की गई।

रेल्वे स्टेशनों एवं वैक्सीनेशन केन्द्र पर चलाया गया रोको-टोको अभियान

निगम प्रशासन द्वारा नगारिको मे कोरोना संक्रमण के प्रति जागरूकता उत्पन्न कर बचाव हेतु आवश्यक सावधानियों को अपनानें हेतु प्रेरित करनें के उद्धेश्य से रोजाना विभिन्न सार्वजनिक स्थलों में रोको-टोको अभियान चलाया जा रहा है। निगमायुक्त श्री धाकरे के निर्देशन में आज प्रातः निगम की सहयोगी संस्था द्वारा कटनी साउथ स्टेशन एवं मुडवारा स्टेशन के यात्रियों सहित वैक्सीनेशन केन्द्र पुरानी कचहरी में टीकाकरण हेतु उपस्थित होनें वाले नागरिकों को संक्रमण से बचाव हेतु रोको - टोको अभियान के माध्यम से मास्क लगानें, दो गज की दूरी का पालन करनें सहित सैनेटाईजर का उपयोग करनें की सलाह दी गई। नगर में किसी भी माध्यम से संक्रमण का प्रवेश न हो इस बात को दृष्टिगत रखते हुए यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग का कार्य किया जाकर आवश्यक जानकारी को रजिस्टर में नोट संधारित किया गया।

न्यूनतम मूल्य में पाएं अधिकतम लाभ

यश भारत

कलर क्लासीफाइड

1 दिन	–	150/–
3 दिन	–	250/–
7 दिन	–	500/–
15 दिन	–	1200/–
30 दिन	–	1800/–

साईज– 5x1

आवश्यकता, खरीदना–बेचना
अपने व्यापार को बढ़ावा दें

बुकिंग हेतु संपर्क करें

यश भारत
कचहरी चौक, कटनी
फोन:– 07622–230033
Email :- katni@yashbharat.com

बच्चों के लिए ज्यादा घातक होगी कोरोना की तीसरी लहर

कई जिलों में बना लिए गए चिल्ड्रन कोविड सेंटर लेकिन कटनी में तैयारियों का पता नहीं

यश भारत खबर विशेष

कटनी। कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर ने पूरे देश के साथ ही कटनी जिले में भी हाहाकार की स्थिति उत्पन्न कर दी थी, फिलहाल हालात नियंत्रण में हो चले हैं। यही वजह है कि कोरोना की तीसरी लहर को लेकर अन्य जिलो में तैयारियां शुरु कर दी गई हैं लेकिन कटनी जिले में अभी तक ऐसी तैयारियां देखने को नहीं मिल रही हैं। एक्सपर्ट्स की मानें तो कोरोना की संभावित तीसरी लहर में बच्चों के प्रभावित होने की अधिक शंका है। इसी के चलते रोकथाम स्वरूप सागर जिले में मध्यप्रदेश के पहले चिल्ड्रन कोविड केयर सेंटर तैयार कर लिया गया है। ये कोविड सेंटर जिले के गढ़ाकोटा में बनाया गया है। कटनी में भी इसी तरह की पहल होना चाहिए। जिससे तीसरी लहर से निपटा जा सके।

चिल्डर्न कोविड केयर सेंटर में संक्रमित बच्चों के साथ उनकी मां के रुकने की भी व्यवस्था की गई है ताकि बीमार बच्चे को अकेलापन न महसूस हो। इसके साथ ही कोविड सेंटर में झूलाघर के साथ-साथ अन्य कई किड्स गेम की भी व्यवस्था रखी गई है। यहां बच्चे पढ़ाई भी कर सकेंगे। इस कोविड सेंटर को बच्चों के रूम जैसा तैयार किया गया है। इन सभी व्यवस्थाओं का कारण बच्चों की बेहतर देखभाल और उनका ध्यान बीमारी से हटाना है ताकि वो जल्द से जल्द स्वसिथ हो सकें। सेंटर में 10 पलंग की व्यवस्था की गई है। इसमें बच्चों को कुपोषण से बचाने पोषण आहार के साथ इलाज, दवाइयों की व्यवस्था भी की गई है लेकिन कटनी जिले में स्वास्थ्य विभाग अभी भी सक्रिय नहीं हुआ है। जिला चिकित्सालय में बच्चों के लिए 20 बिस्तरों का वार्ड बनाकर इतिश्री कर ली गई है। इसी तरह कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों के लिए पोस्ट कोविड केयर सेंटर बनाया गया है। जानकारों का कहना है कि तीसरी लहर कभी भी आ सकती है। दूसरी लहर के दौरान स्वास्थ्य विभाग की तैयारियां धरी की धरी रह गई थी। इस दौरान जिला चिकित्सालय में बेड, ऑक्सीजन, वेंटिलेटर और इंजेक्शन की कमी देखने को मिली थी। विभाग को अब कोरोना की दूसरी लहर नियंत्रित होने के बाद आने वाली तीसरी लहर से निपटने के लिए ऐसे इंतजाम करना चाहिए, जिससे दूसरी लहर जैसे हालात पैदा न हों। तीसरी लहर से निपटने के लिए अभी से तैयारियां किया जाना चाहिए। जिला चिकित्सालय के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के लिए प्रया किया जाना चाहिए।

सागर जिले के गढ़ाकोटा में तैयार किया गया चिल्ड्रन कोविड केयर सेंटर।

इनका कहना है

तीसरी लहर को लेकर सरकार की तरफ से अलर्ट किया गया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्थानीय स्तर पर तैयारियां की जा रही है। जिला चिकित्सालय में बच्चों के लिए 20 बिस्तरों का वार्ड बनाया गया है।

-डॉ. प्रदीप मुढ़िया, सीएमएचओ

पिछले 10 दिनों में जिले में पॉजीटिव केस, सेम्पलिंग, डिस्चार्ज और मौतों की जानकारी

तारीख	पॉजीटिव	सेम्पलिंग	संक्रमण दर	डिस्चार्ज	मौत
11 मई	105	670	15.67	112	03
12 मई	69	537	12.84	114	04
13 मई	96	830	11.56	232	03
14 मई	70	736	9.51	125	03
15 मई	73	836	8.73	131	00
16 मई	74	916	8.00	145	00
17 मई	70	909	7.77	131	00
18 मई	80	989	8.00	113	00
19 मई	76	1064	7.14	108	00
20 मई	58	1003	5.78	124	00
21 मई	52	1021	3.50	118	04
22 मई	29	1106	2.70	88	04
23 मई	10	1121	0.89	108	04
24 मई	05	1017	0.49	83	04

पिछले 24 घंटे में पॉजीटिव केस – 5
अब तक कुल पॉजीटिव केस – 9306
24 घंटे में ठीक हुए मरीज – 83
अब तक कुल ठीक हुए मरीज – 8766
अब तक मौतें – 95
आंकड़े स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन के अनुसार ।

डेढ़ महीने में पहली बार सिंगल डिजिट में पॉजीटिव केस

1017 सेम्पल की रिपोर्ट में 5 लोगों में संक्रमण की पुष्टि, आधा प्रतिशत हो गई संक्रमण की दर

कटनी। अप्रैल के महीने में दूसरी लहर की दस्तक के बाद पहली बार ऐसा हुआ है, जब जिले में सिंगल डिजिट में पॉजीटव केस मिले हैं। इसे कोरोना संक्रमण से बड़ी राहत के तौर पर देखा जा रहा है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. समीर सिंघई ने बताया कि रेपिड एंटीजन टेस्ट की 23 मई की 590 सेम्पल की रिपोर्ट में 3 नए पॉजीटिव केस मिले हैं। इसी तरह सुप्राटेक लैब अहमदाबाद से मिली 22 मई की 427 सेम्पल की रिपोर्ट में 2 लोगों में संकमण की पुष्टि हुई है। इस तरह कोरोना संक्रमण की दर कल के मुकाबले आज आधा प्रतिशत हो गई है। हर दिन राहत के बीच ब्लैक फंगस और तीसरी लहर का भी खतरा मंडरा रहा है। कोरोना संक्रमण से स्थिति नियंत्रित होने के बाद अब स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन ने राहत की सांस ली है लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में कब स्थितियां अनियंत्रित हो जाएं कहा नहीं जा सकता। यही कारण है कि प्रशासन का सारा फोकस अब ग्रामीण क्षेत्रों की ओर है। यहां किल कोरोना अभियान के साथ ही वैक्सीनेशन जागरूकता रथ के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि जिले में संक्रमण की दर आधा प्रतिशत आ गई है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कोरोना खत्म हो गया है। अभी भी प्रोटोकॉल का पालन करना जरूरी है।

83 लोगों ने दी कोरोना को मात, 4 मौतें भी दर्ज

कल जहां जिले में संक्रमण की दर 0.89 प्रतिशत थी तो वहीं आज यह घटकर 0.49 प्रतिशत हो गई है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक कटनी जिले में पिछले 24 घंटे में 5 नए पॉजीटिव केस मिले हैं। इस तरह अब कुल संक्रमित मरीजों का आंकड़ा 9306 हो गया है। सीएमएचओ के हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक जिले में अब कुल 445 एक्टिव केस हैं। इसमे 41 मरीज जिला चिकित्सालय, कोविड केयर सेंटरों, 26 मरीज प्राईवेट हॉस्पिटल एवं 378 मरीज होम आईसोलेशन में उपचाररत हैं। जिले में पिछले 24 घंटे में 83 मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए हैं। इस तरह अब तक 8 हजार 766 मरीज कोरोना से ठीक हो चुके हैं। हेल्थ बुलेटिन में 4 मरीजों की मृत्यु दर्ज की गई है। इस तरह जिले में अब तक 95 लोग कोरोना संक्रमण से दम तोड़ चुके हैं। जिले में अब तक एक लाख 23 हजार लोगों की सेम्पलिंग हो चुकी है।

मुड़वारा–बीना मेमू स्पेशल ट्रेन के समय में आंशिक संसोधन

कटनी। कटनी मुड़वारा से बीना के बीच प्रतिदिन चलने वाली मेमू स्पेशल ट्रेन के समय में रेलवे ने परिवर्तन किया है। यह परिवर्तन लास्ट के चार स्टेशनों खुरई, बघोरा, मालखेड़ी व बीना की समय सारणी में किया गया है जबकि कटनी मुड़वारा से लेकर सुमरेरी स्टेशन तक की समय सारणी में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। इसके अलावा बीना से कटनी मुड़वारा आने वाली मेमू स्पेशल ट्रेन की समय सारणी में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। रेलवे से मिली जानकारी के मुताबिक गाड़ी संख्या 06622 कटनी मुड़वारा-बीना मेमू स्पेशल ट्रेन के समय सारिणी में परिवर्तन किया गया है। गाड़ी की परिवर्तित समय सारणी आज 24 मई से प्रभावशील रहेगी। यह स्पेशल ट्रेन कटनी मुड़वारा से सुमरेरी तक अपने पूर्व निर्धारित समय के अनुसार ही चलेगी जबकि सुमरेरी के बाद खुरई, बघोरा, मालखेड़ी व बीना की समय सारणी परिवर्तित रहेगी।

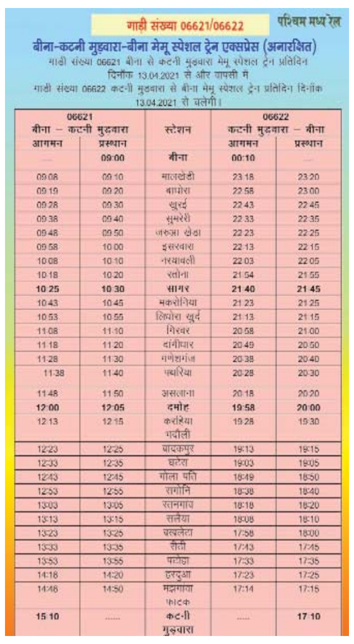

गाड़ी संख्या 06621/06622 पश्चिम मध्य रेल

बीना-कटनी मुड़वारा-बीना मेमू स्पेशल ट्रेन एक्सप्रेस (अनारक्षित)

गाड़ी संख्या 06621 बीना से कटनी मुड़वारा मेमू स्पेशल ट्रेन प्रतिदिन दिनांक 13.04.2021 से और वापसी में गाड़ी संख्या 06622 कटनी मुड़वारा से बीना मेमू स्पेशल ट्रेन प्रतिदिन दिनांक 13.04.2021 से चलेगी।

06621 बीना – कटनी मुड़वारा आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	06622 कटनी मुड़वारा – बीना आगमन	प्रस्थान
----	09:00	बीना	00:10	----
09:08	09:10	मालखेड़ी	23:18	23:20
09:19	09:20	बघोरा	22:58	23:00
09:28	09:30	खुरई	22:43	22:45
09:38	09:40	सुमरेरी	22:33	22:35
09:48	09:50	जरुआ खेड़ा	22:23	22:25
09:58	10:00	इसरवारा	22:13	22:15
10:08	10:10	नरयावली	22:03	22:05
10:18	10:20	रतोना	21:54	21:55
10:25	10:30	सागर	21:40	21:45
10:43	10:45	मकरोनिया	21:23	21:25
10:53	10:55	लिधोरा खुर्द	21:13	21:15
11:08	11:10	गिरवर	20:58	21:00
11:18	11:20	दांगीधार	20:49	20:50
11:28	11:30	गणेशगंज	20:38	20:40
11:38	11:40	पथरिया	20:28	20:30
11:48	11:50	असलाना	20:18	20:20
12:00	12:05	दमोह	19:58	20:00
12:13	12:15	करैया भदौली	19:28	19:30
12:23	12:25	बांदकपुर	19:13	19:15
12:33	12:35	घटेरा	19:03	19:05
12:43	12:45	[illegible]	18:49	18:50
12:53	12:55	सगोनि	18:38	18:40
13:03	13:05	रतनगांव	18:18	18:20
13:13	13:15	सलैया	18:08	18:10
13:23	13:25	[illegible]	17:58	18:00
13:33	13:35	रीठी	17:43	17:45
13:53	13:55	[illegible]	17:33	17:35
14:18	14:20	हरदुआ	17:23	17:25
14:48	14:50	मझगवां फाटक	17:14	17:15
15:10	.....	कटनी मुड़वारा	.....	17:10

सुमरेरी के बाद के स्टेशनों की समय सारणी में हुआ बदलाव

परिवर्तित समयसारणी

खुरई-पूर्व समय 22:43-22:45
परवर्तित समय 22:58-23:00
बघोरा-पूर्व समय 22:58-23: 00
परिवर्तित समय 23:10-23:12
मालखेड़ी-पूर्व समय 23:18-23-20
परवर्तित समय 23:28-23:30
बीना-पूर्व समय 00:10 बजे
परवर्तित समय 00:40 पर पहुंचेगी।

इस बार जमकर तपेगा नौतपा

कल से 2 जून के बीच तापमान 44 डिग्री पार जाने की संभावना

कटनी। इस बार नौतपा का प्रभाव अधिक रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक इसका प्रभाव इतना हो सकता है कि नौतपा की अवधि में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार जा पहुंचे। अगर मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक तापमान 44 डिग्री के पार जाता है तो नौ तपे के दिनों में बीते 10 सालों में पहली बार होगा, क्योंकि इस अवधि में औसत तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार नहीं पहुंच सका है। अगर ऐसा हुआ तो ये साल 2012 के बाद पहली बार नौ तपा में इतनी गर्मी होगी। इस बार तापमान में आने वाली इस अधिकता का कारण बताते हुए कहा है कि इस बार मध्यप्रदेश पर दो साइक्लोन अपने सुनिश्चित समय से पहले आ चुके हैं। यही कारण है कि इस बार 25 मई से 2 जून तक रहने वाले नौ तपे में तापमान अधिक रहेगा।

पहले तीन दिन रहेगा ज्यादा असर

इस साल मई माह की अब तक की अवधि में ही दो साइक्लोन आ चुके हैं। इस कारण इस बार नौतपा में तापमान अधिक रहने का अनुमान जताया जा रहा है। विभाग के मुताबिक नौतपा के पहले तीन दिनों का अधिकतम तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के प्रबल आसार हैं। हालांकि अगर नौ तपा की अवधि में तापमान अधिक रहता है तो ऐसा भी माना जाता है कि अधिक तपने वाले इलाके में बारिश भी अधिक होती है। पहले सिस्टम और फिर लोकल गतिविधियों से बारिश अधिक हो सकती है।

टूट सकता है इन 3 सालों का रिकॉर्ड

मौसम विभाग के मुताबिक इस बार 25 मई से 2 जून तक गर्मी ज्यादा रहेगी। शुरुआती दिनों में ये 44 डिग्री तक भी पहुंच सकता है। उन्होंने बताया किए नौ तपा की अवधि में अकसर साइक्लोन आते रहे हैं। यही कारण है कि पिछले 10 सालों से नौ तपा उतना अधिक गर्मी वाला नहीं रहा। इससे पहले साल 2015, 2018 और 2019 में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के पहुंचा था लेकिन इस बार इन सालों का रिकॉर्ड टूटने का अनुमान है।

इस तरह होता है साइक्लोन का असर

अप्रैल और मई माह को साइक्लोनी सीजन माना जाता है। इस दौरान हर माह एक-दो साइक्लोन आना आम बात है। अरेबियन सी में कम बनते हैं लेकिन इस बार यहां मजबूत साइक्लोन बन रहे हैं। इसके अलावा वे ऑफ बंगाल में भी साइक्लोन बन रहा है। ये दोनों सिस्टम पहले ही सक्रिय हो चुके हैं। इसके चलते इस अवधि में प्रदेश के अधिकतर इलाकों में बादल भी छाए और बारिश भी दर्ज की गई। साथ ही इस अवधि में तापमान भी अपने औसत स्तर से कम दर्ज हुआ लेकिन मौजूदा समय में किसी साइक्लोन की सक्रियता न होने के कारण एक-दो दिन बाद तापमान में बढ़ोत्तरी आनी शुरु हो जाएगी।

रोशन नगर और मुखर्जी वार्ड में बने कंटेनमेंट जोन

कटनी। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा एवं नगर निगम आयुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे के आदेशों के परिपालन में कोरोना महामारी के बढते संक्रमण की रोकथाम एवं सुरक्षा की दृष्टि से निगम सीमान्तर्गत कोविड पाजीटिव पाये जाने पर उक्त क्षेत्र, भवन को माईक्रो कंटेनटमेन्ट जोन चिन्हित किये जाकर साफ सफाई कीटनाशक दवा के छिड़काव सहित सैनेटाइजेशन की कार्यवाही अनवरत जारी है। कोविड संक्रमण के प्रसार को दृष्टिगत रखते हुए क्षेत्रीय उपयंत्रियों से संकलित कर विभाग द्वारा दी गई जानकारी अनुसार आज नगर के दो स्थलों रामजानकी हनुमान वार्ड स्थित, रोशन नगर की राशन दुकान गली स्थित तथा श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड में माइक्रो कंटेनमेंट जोन के बैनर लगाकर संक्रमण के प्रसार पर नियंत्रण हेतु अन्य आवश्यक कार्यवाही की गई।

वैक्सीनेशन के लिए ग्रामीणों को किया प्रेरित

कटनी। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए एक तरफ जहां प्रशासन द्वारा लगातार जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ सामाजिक संगठनों के साथ ही समाजसेवी युवाओं द्वारा भी ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को इस महामारी से बचाव के लिए समझाईश दी जा रही है। स्लीमनाबाद तहसील के अंतर्गत ग्राम बंधी स्टेशन में प्रस्फुटन समिति एवं वंदे मातरम श्रमिक जागृति टीम के सदस्यों द्वारा गांवों का भ्रमण करते हुए ग्रामवासियों को संक्रमण से बचाव के साथ ही वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कोरोना वायरस से बचाव हेतु जागरूकता रथ बन्धी स्टेशन में आदिवासी मोहल्लों में घूमकर टीकाकरण हेतु जागरूकता कर रहा है। इसके अलावा लोगों को 2 गज दूरी, मास्क है जरूरी, खतरा टला नहीं, अभी सतर्कता बहुत जरूरी है। अपने ग्राम को कोरोना से मुक्त करना है, जिससे जिले को भी मुक्त किया जा सके, 6 माह बहुत सतर्कता बरतनी है के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान महिलाओं को मास्क भी बांटे गए। इस कार्य में दीपक तिवारी अध्यक्ष, जितेंद्र सिंह, शिवदत्त तिवारी, सचिव तंतुवाय, अजय चौधरी, शेख साहिल, अकरम, बालकृष्ण बेन, रंजीत, रोहन सिंह आदि सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं कचहरी चौक कटनी से प्रकाशित। सम्पादक-श्याम कटारे एवं स्थानीय सम्पादक-आशीष सोनी*। फोन (07622) 406666, 230033, जबलपुर कार्यालय फोन- (0761) 2643333, 2646666 फैक्स (0761) 4084085 डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/ 26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/21090. email - katni@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)